International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
ISSN -2393-8048, July-December 2016, Submitted in July 2016, iajesm2014@gmail.com

# हनुमानगढ़ जिले की जनसंख्या: अध्ययन

Randheer Singh, Research Scholar, Dept. of Econmics, Tantia Universtiy, Sri Ganganagar (Rajasthan).
Dr. Vijay Kumar Ari, Lecturer Selection Grade (Economics), Govt. Dungar College, Bikaner (Rajasthan).

## जनसंख्या

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग एवं देष का आर्थिक विकास वहां की जनंसख्या के वितरण, घनत्व एवं लोगों के जीवन स्तर पर निर्भर करता है। प्राकृतिक साधन निष्क्रिय होते हैं किन्तु मानव ही प्राकृतिक साधनों का उपयोग करता है। यदि क्षेत्र में पाये जाने वाले संसाधनों का ठीक प्रकार से दोहन किया जाये तो विकास सही ढ़ंग से हो जाता है और यदि दोहन तीव्र गति से किया जाये तो विकास रुक जाता है। यह तभी सम्भव हो सकता है जब मानव संसाधन की वृद्धि पर नियन्त्रण हो सके। यदि किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि उत्पादन के अनुरुप नहीं होती है तो वहां के निवासियों का जीवन स्तर नीचे गिरने लगता है एवं जनसमस्याएं पनपती है। जनसंख्या में श्रमपूर्ति, कार्यक्षमता, कार्यकुषलता, साक्षरता, स्वास्थ्य आदि सभी तथ्य मानव शक्ति के रुप में प्रभाव दिखाते हैं। क्षेत्र की जनसंख्या का कृषि के सन्दर्भ में अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि क्षेत्र की लगभग दो तिहाई से अधिक कार्यषील जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न है। अतः क्षेत्र की 80 प्रतिषत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। जिले में जनसंख्या वृद्धि से कृषि भूमि पर जनसंख्या का भार बढ़ता जा रहा है जिससे भू उपयोग परिवर्तित हो रहा है तथा कृषि भूमि में कमी आती जा रही है। अतः प्रति इकाई भूमि पर उत्पादन में वृद्धि भी जरूरी है। कृषि में आधुनिकीकरण के कारण प्रति वर्ष उत्पादन भी विकास की ओर उन्मुख है। कृषि उत्पादन में वृद्धि का कारण कृषि में नई तकनीकों का प्रयोग, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार एवं नये कृषि साधनों का प्रयोग है। कृषि में नई तकनीकी की जानकारी एवं प्रसार के लिए कृषकों का साक्षर होना अति आवष्यक है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार हनुमानगढ़ जिले की कुल जनसंख्या 1774692 है जिसमें 931184 पुरूष व 843508 महिलाएं थी। वर्ष 2011 की जनगणना में हनुमानगढ़ जिला राजस्थान की कुल जनसंख्या में 2.59 प्रतिषत हिस्सा रखता है जबकि वर्ष 2001 की जनगणना में यह 2.69 प्रतिषत था। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार यह जनसंख्या 1518005 थी। वर्ष 2001 से 2011 के दषक में हनुमानगढ़ जिले की जनसंख्या वृद्धि दर 16.91 प्रतिषत रही जबकि पिछले दषक में यह वृद्धि दर 30.31 प्रतिषत दर्ज की गई थी। क्षेत्र की पुरुष व स्त्री जनसंख्या राजस्थान की पुरुष व स्त्री जनसंख्या का क्रमषः 2.62 प्रतिषत व 2.56 प्रतिषत है। जबकि वर्ष 1991 में यह क्रमषः 2.8 व 2.7 प्रतिषत थी।

**हनुमानगढ़ जिले की जनसंख्या की तहसीलवार दशकीय वृद्धि दर**

| क्र.सं | वर्ष 2001 | वर्ष 2011 | दस वर्ष में अन्तर |
|---|---|---|---|
| भादरा | 187542 | 290318 | 102776 |
| नोहर | 258426 | 314587 | 56161 |
| पीलीबंगा | 156040 | 215715 | 59675 |
| टिब्बी | 112870 | 165217 | 52347 |
| संगरिया | 135016 | 159143 | 24127 |
| हनुमानगढ़ | 259460 | 350464 | 91004 |
| रावतसर | 147065 | 205093 | 58028 |

स्त्रोतः जिला जनगणना प्रतिवेदन, जिला हनुमानगढ 2011

**हनुमानगढ़ जिले की जनसंख्या की तहसीलवार दशकीय वृद्धि दर**

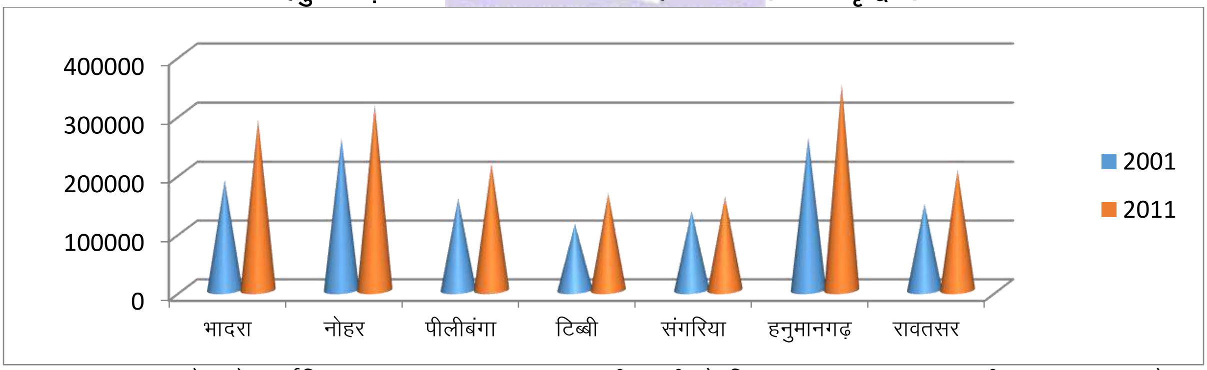


अध्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक जनसंख्या हनुमानगढ़ तहसील की है जिसका कारण घग्घर नदी व राजस्थान कैनाल से सिंचाई की पर्याप्त सुविधा है जिससे यह क्षेत्र उपजाऊ है। वर्ष 2011 में अध्ययन क्षेत्र के हनुमानगढ तहसील में जनसंख्या कुल जनसंख्या का 23.92 प्रतिषत रही जो कि अध्ययन क्षेत्र की अन्य सभी तहसीलों से अधिक है। नहरों के विकास से इस क्षेत्र की जनसंख्या में बढोतरी हुई है। जल की सुविधा, उत्तम खेतीहर भूमि तथा घनी जनसंख्या के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध पाया जाता है। क्षेत्र की अधिकांष जनसंख्या कृषि पर आधारित है। अतः कृषि प्रधान क्षेत्र औसत से अधिक घने बसे हुए है। कृषि की सुविधा में वृद्धि होने के साथ ही जनसंख्या में भी वृद्धि हो जाती है।

0–6 आयुवर्ग वाले बालकों की कुल संख्या 234226 है जिसमें 1247400 बालक व 109486 बालिकाएं है। 0–6 आयुवर्ग में लिंगानुपात 878 है जबकि 2001 में यह 872 था। वर्ष 2011 की जनगणना के बाद हनुमानगढ़ की कुल जनसंख्या में 0–6 आयुवर्ग का हिस्सा 13.20 प्रतिषत है जो कि वर्ष 2001 में 16.87 प्रतिषत था। अतः यहां पर 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या में 3.67 प्रतिषत का परिवर्तन आया है।

अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या में फसलों का सबसे अधिक भाग हनुमानगढ तहसील में है। सिंचाई की सुविधा के विकसित हो जाने से इस क्षेत्र में अन्य जिलों से जनसंख्या का खिंचाव हो रहा है। नहरों द्वारा इस क्षेत्र को जल प्राप्ति के कारण भूमि का उपजाऊपन बढ रहा है जिससे फसलों की उत्पादकता में वृद्धि हो रही है। महान मरूभूमि का यह भाग नहरों द्वारा सिंचाई के कारण मरूभूमि के हरित क्षेत्र के अन्तर्गत आता है जिससे खेतीहर मजदूरों व कृषकों का इस क्षेत्र

की ओर आर्थिक रूप से अधिक आकर्षण रहता है। कृषि से सम्बन्धित उद्योग का विकास भी इस क्षेत्र के कुछ भागों में हुआ है। क्षेत्र की अन्य तहसीलों की अपेक्षा ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या सर्वाधिक हनुमानगढ़ तहसील में है।

**हनुमानगढ़ जनसंख्या से संबंधित तथ्य**

| विवरण | वर्ष 2001 | वर्ष 2011 |
|---|---|---|
| कुल जनसंख्या | 1518005 | 1774692 |
| पुरूष | 801486 | 931184 |
| महिला | 716519 | 843508 |
| जनसंख्या वृद्धि दर | 31.31: | 16.91: |
| जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी) | 157 | 184 |
| राजस्थान की जनसंख्या में भागीदारी | 2.69: | 2.59: |
| लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरूषो पर महिलाएं) | 894 | 906 |
| 0–6 आयुवर्ग की कुल जनसंख्या | 256102 | 234226 |
| बालक | 136822 | 124740 |
| बालिकाएं | 119280 | 109486 |
| 0–6 आयुवर्ग की हनुमानगढ़ की जनसंख्या में भागीदारी | 16.87: | 13.20: |
| 0–6 आयुवर्ग के बालकों की भागीदारी | 17.07: | 13.40: |
| 0–6 आयुवर्ग की बालिकाओं की भागीदारी | 16.65: | 12.98: |
| 0–6 आयुवर्ग का लिंगानुपात | 872 | 878 |

स्त्रोतः जिला जनगणना प्रतिवेदन, जिला हनुमानगढ़ 2011

तालिका के अनुसार 2001 में हनुमानगढ़ की जनसंख्या वृद्धि दर 31.31 प्रतिशत थी। इस ऊंची वृद्धि दर का कारण पंजाब में आतंकवाद के कारण आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में लोगों का बड़ी तेजी से विस्थापन रहा। यह विस्थापन 2000 से प्रारम्भ होकर 2003–2004 तक सतत् रूप से जारी रहा। राजस्थान की जनसंख्या में हनुमानगढ़ की भागीदारी जहां 2001 में 2.69 प्रतिशत थी, जो घटकर 2011 में 2.59 प्रतिशत रह गई, अर्थात् हनुमानगढ़ की जनसंख्या वृद्धि दर में तीव्र कमी हुई। 2011 में जनसंख्या वृद्धि दर 2001 की 31.31 प्रतिशत के स्थान पर 16.91 प्रतिशत रही।

**हनुमानगढ़ ग्रामीण/शहरी जनसंख्या से संबंधित तथ्य**

| विवरण | ग्रामीण | शहरी |
|---|---|---|
| हनुमानगढ की कुल जनसंख्या में भागीदारी | 80.25: | 19.75: |
| कुल जनसंख्या | 1424228 | 350464 |
| पुरूष | 746887 | 184297 |
| महिला | 677341 | 166167 |
| लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरूषो पर महिलाएं) | 907 | 902 |
| 0–6 आयुवर्ग की कुल जनसंख्या | 190563 | 43663 |
| बालक | 101170 | 23570 |
| बालिकाएं | 89393 | 20093 |
| कुल जनसंख्या में 0–6 आयुवर्ग में भागीदारी | 13.38: | 12.46: |
| 0–6 आयुवर्ग के बालकों की भागीदारी | 13.55: | 12.79: |
| 0–6 आयुवर्ग के बालिकाओं की भागीदारी | 13.55: | 12.79: |
| 0–6 आयुवर्ग में लिंगानुपात | 884 | 852 |
| 0–6 आयुवर्ग का लिंगानुपात | 878 | 872 |

स्त्रोतः जिला जनगणना प्रतिवेदन, जिला हनुमानगढ़ 2011

## ग्रामीण जनसंख्या

कृषि बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण हनुमानगढ़ जिले की कुल जनसंख्या का 80.25 प्रतिषत भाग गांवों में निवास करता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार हनुमानगढ़ जिले में गांवों में रहने वाली कुल जनसंख्या 1424228 है जिसमें 746887 पुरूष तथा 677341 महिलाएं है। हनुमानगढ के ग्रामीण भाग में लिंगानुपात 907 महिलाएं प्रति 1000 पुरूष है वहीं 0–6 आयुवर्ग में ग्रामीण भाग का लिंगानुपात 884 बालिकाएं प्रति 1000 बालक है। ग्रामीण जनसंख्या में 0–6 आयुवर्ग की जनसंख्या 190563 है जिसमें 101170 बालक तथा आयुवर्ग की जनसंख्या की हिस्सेदारी 13.38 प्रतिषत है।

## शहरी जनसंख्या

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार हनुमानगढ़ जिले की कुल जनसंख्या का 12.65 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में रहता था, जो 2011 में बढ़कर 19.75 प्रतिशत हो गया। कुल 350464 व्यक्ति शहरों में रहते है जिनमें 184297 पुरूष व 166167 महिलाएं है शहरी क्षेत्र में लिंगानुपात 902 है। वहीं पर 0–6 आयुवर्ग का लिंगानुपात शहरी क्षेत्र में 852 ही है। 0–6 आयुवर्ग की कुल जनसंख्या शहरी क्षेत्र में 43663 है जिसमें 23570 बालक व 20093 बालिकाएं है। शहरी क्षेत्र की कुल जनसंख्या में 0–6 आयुवर्ग की जनसंख्या की भागीदारी 12.46 प्रतिषत है।

## लिंगानुपात

लिंगानुपात से तात्पर्य 1000 पुरूषों के पीछे स्त्रियों की संख्या से है। हनुमानगढ़ जिले के लिंगानुपात में 2001 की तुलना में बढ़ोतरी हुई है तथा वर्ष 2011 की जनगणना में हनुमानगढ़ का लिंगानुपात 906 महिलाएं प्रति 1000 पुरूष रहा

ISSN -2393-8048, July-December 2016, Submitted in July 2016, iajesm2014@gmail.com
है। वर्ष 2001 में यह 894 था। परन्तु राष्ट्रीय औसत से यह अभी भी कम है। 2011 की जनगणना के बाद भारत का औसत लिंगानुपात 940 है।

## निष्कर्ष

हनुमानगढ़ जिले के कुल क्षेत्रफल 9656 वर्ग किलोमीटर में वर्ष 2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या घनत्व 184 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर रहा। वर्ष 2001 की जनगणना के बाद यह घनत्व 157 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था।

जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से इस क्षेत्र का स्थान राज्य के अन्य जिलों की तुलना में अधिक है। जबकि वर्ष 2001 में इसका स्थान नीचे था। क्षेत्र में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व हनुमानगढ तहसील का है तथा सबसे कम घनत्व रावतसर तहसील का है। ग्रामीण जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक हनुमानगढ़ तहसील का है। इसका कारण इस तहसील में श्रेष्ठ सिंचित भूमि का पाया जाना है जबकि अन्य तहसीलों में सिंचाई सुविधाओं का विकास हाल ही के वर्षों में हुआ है। हनुमानगढ़ तहसील का एक बड़ा भाग घग्घर नदी का उपजाऊ क्षेत्र है जिसमें नलकूपों से भी सिंचाई की जाती है इस कारण इस क्षेत्र में फसलों की सबसे अधिक उत्पादकता है। इस तहसील का कुल सिंचित क्षेत्रफल अन्य सभी तहसीलों की अपेक्षा सर्वाधिक है, नहरों द्वारा सिंचाई अन्य सभी तहसीलों की अपेक्षा अधिक है। इन कारणों से आर्थिक लाभ प्राप्ति के लिए इस तहसील में लोगों का आकर्षण बढ़ता जा रहा है।

## रिपोर्ट एण्ड पब्लिकेशन्स


1- मिनीस्टरी ऑफ इण्डिया, गवरमेंट ऑफ वॉटर रीसॉर्ज रिपोर्ट ऑफ वर्कीग ग्रुप ऑन सी.ए.डी–9वां फाइव इयर प्लान (नई दिल्ली, 1996)

2- एरिया डवलमेंट कमीश्नर सी.ए.डी.आई.जी.एन.जी अनुअल रिपोर्ट ऑफ इन्टीग्रेटेड डवलपमेंट, 1996–97 (बीकानेर)

3- वैपकोश इकोलॉजीकल एण्ड इन्वायरमेन्टल स्टडीज फॉर इन्टीग्रटेड ऑफ इन्दिरा गांधी नहर प्रोजेक्ट, स्टेज द्वितीय (नई दिल्ली वैपकोश, 1992)

4- एन.सी.ए.ई.आर. हैल्थ इम्पेक्ट ऑफ इन्दिरा गांधी कैनाल प्रोजेक्ट, नई (1991)

5- नेशनल कौसिंल ऑफ ऐप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च (एन.सी.ए.ई.आर) ईम्पेक्ट ऑफ राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट ऑन सौसियल इकॉनोमिक एण्ड इन्वीरोंन्मेंटल कन्डीशन (नई दिल्ली, 1983)

6- राजस्थान गवर्नमेंट हैंड बुक ऑफ इम्पोरटेंट डीसीजींस ऑफ इन्दिरा गांधी नहर बोर्ड (बीकानेर, 1983)

7- राजस्थान गवरमेंट ऑफ इरीगेशन डिपार्टमेंट सरफैस वाटर रिसोर्स, रीवर बैसींस इन राजस्थान स्टडी 1987–88 (जयपुर इरीगेशन डिपार्टमेंट)।

8- वैपकोश आई.जी.एन.पी. स्टेज–द्वितीय ड्राफ्ट फिजीब्लीटीज रिपोर्ट (नई दिल्ली 1993)।

9- वाटर एण्ड लैण्ड यूज पॉलिसी रिसर्च इन्स्टीट्यूट सौसीयल एण्ड स्पशेनल डैटीरमेंटस ऑफ कोलोथनाइजेशन पॉलीसी इन.आई.जी.एन.जी. स्टेज–अन्तरिम रिपोर्ट–द्वितीय (जयपुर, 1993)।